नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

PART-I

Paper Code
GS-VI

306666

PART-II

306666

Paper Code
GS-VI

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में लिखें -
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें Akanksha Garhwal

16 मार्च 2021

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें :

वीक्षक द्वारा भरा जावें।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भर एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

○

प्रश्न: 1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(a) विज्ञान मनुष्य को सभ्यता की सीढ़ी पर चढ़ाता है और साहित्य इसे मानवता के उच्च शिखर पर।

(b) सामाजिक समस्याएँ और सिनेमा

(c) आर्थिक उदारवाद और सामाजिक विषमता

(d) वर्तमान में नैतिक शिक्षा अभाव

पू./M = 50

प्राप्तांक

उत्तर: (...) "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस: महिला सशक्तीकरण की दिशा में केवल एक कर्मकाण्ड है।"

"स्त्री उस टी बैग की तरह होती है, जिसे जब तक गर्म पानी में नहीं डालते तब तक उसकी शक्ति का अहसास नहीं होता।"

एलिएनॉर का यह कथन महिलाओं की क्षमता एवं संभावना को व्यक्त करता है। एक महिला को सशक्त करना उसे सभी साधनों से युक्त करना होता है।

विश्व भर में प्रतिवर्ष 8 मार्च का दिवस अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। यहां यह जानने की उत्सुकता रहती है कि आखिर क्या महिलाओं के लिए किसी दिवस को मनाने का एक ही दिन होता है? या यह मात्र इस पितृसत्तात्मक सोच की दिखावे की संस्कृति को प्रदर्शित करता है, जो महिला को वह सम्मान दे रहा है।

प्रश्न: 1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continued (जारी)

पू/M 50

वर्ष 2021 में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम थी -

"वूमन इन लीडरशिप: अचीविंग एन इक्वल फ्यूचर इन ए कोविड-19 वर्ल्ड"

इस थीम से यह आशय निकलता है कि महिलाओं का नेतृत्व इस कोविड-19 के विश्व में उभर कर आ रहा है। परन्तु यहां इस बात से चिंतन दिखाई देता है क्योंकि इसी दौरान विश्व भर में सर्वाधिक महिला हिंसा के केस दर्ज किए गए थे। फिर आखिर हम इन महिलाओं को किस तरह सशक्त करने पर विचार कर रहे हैं।

महिला सशक्तीकरण से तात्पर्य है - महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक उत्थान एवं इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता होना। एक महिला तभी सशक्त मानी जाएगी जब वह आत्मनिर्भर होने के साथ निर्णयन प्रक्रिया में भी समान रूप से सम्मिलित हो।

हम सभी इस बात से अनजान नहीं हैं कि महिला वर्ग सदैव से ही एक संवेदनशील वर्ग रहा है। विश्व ही नहीं अपितु इसमें भारत में भी महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण सदैव ही असमानता का रहा है।

प्रश्न: 1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continued (जारी) 1x50=50

पू./M = 50

प्राचीनकाल से ही जहां ~~ऋ~~ वैदिक काल अपाला, घोषा लोपामुद्रा जैसे विदुषी महिलाओं के ज्ञान व सम्मान से परिपूर्ण था तो वही उत्तरवैदिक काल आते ही स्थिति में ह्रास के तत्व दिखाई देने लगे। महिला मात्र भोगविलास, व्यापार की वस्तु के समान व्यवहारित होने लगी। इस समाज में महिलाओं की स्थिति अत्यंत ही दयनीय थी।

इस क्रम में मध्यकाल में जहां रजिया सुल्तान जैसी शासिकाओं ने बागडोर संभाली परंतु उसे भी वर्चस्वशाली वर्गों ने खींचकर तोड़ दिया। ~~इस~~ आधुनिक काल में तो ब्रिटिश कालीन समाज जो स्वयं एक संपन्न प्रगतिशील समाज था प्रारंभ में महिलाओं के प्रति कोई विशेष कार्य नही कर सका। महिलाओं के प्रति कुरीतियां जैसे - बालविवाह, सती प्रथा, विधवाओं के प्रति स्थिति मौजूद थी। परंतु पुनर्जागरणकालीन समाज सुधारकों ने इस कुरीति एवं असमानता की दीवार को तोड़ने का कार्य किया।

इसमें राजाराममोहन राय ने स्त्री शिक्षा पर विशेष बल दिया, ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा ~~विवाह~~ पुनर्विवाह अधिनियम

प्रश्न: 1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

(.....) Continued (जारी)

पारित करवाने में योगदान दिया।

यह सभी क्रियाकलाप दर्शाते हैं कि महिलाओं की स्थिति में सुधार अवश्य ही आयेगा। परंतु वही आकड़े इसके विपरीत ही समाज को आइना दिखाते हैं जहाँ भारत में आज भी 20-30% बालविवाह के मामले, विश्व भर में महिला हिंसा के मामलों में बढ़ती संख्या, 51% महिलाओं का एनीमिया से ग्रसित होना, भारत में पुरुषों (82%) के मुकाबले महिला साक्षरता मात्र 65%।

यह तमाम आकड़े वर्तमान में किस प्रकार महिला सशक्तीकरण को परिभाषित कर सकते हैं।

कोफी अन्नान का कथन है कि-"विकास के लिए महिला सशक्तीकरण से बेहतर उपकरण नहीं हो सकता है।"

इसी के आधार पर ही भारतीय संविधान महिलाओं के सशक्तीकरण एवं उनके अधिकार सुरक्षा हेतु प्रावधान करता है इसमें अनुच्छेद 15 - राज्य लिंग, जाति, आदि किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। 15(3)- राज्य महिलाओं, बच्चों के संदर्भ में विशेष प्रावधान कर सकता है।

प्रश्न: 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continued (जारी)

1x50=50

M.M = 50

अनुच्छेद 16 लोक नियोजन के अवसर पर समानता, नीति निदेशक तत्वों में अनुच्छेद 46, 47 में प्रावधान। इसी के साथ पंचायती राज व्यवस्था में अध्यक्ष एवं सदस्य के पदों हेतु 1/3 आरक्षण की व्यवस्था एवं नगरपालिका में भी आरक्षण का प्रावधान किया गया है। घरेलू हिंसा से संरक्षण हेतु अधिनियम, 2005 पारित किया गया है। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय महिला आयोग का गठन आदि कई प्रावधान महिलाओं के संदर्भ में किए गए हैं।

"मैं किसी भी समुदाय की प्रगति का आकलन उस समुदाय में महिलाओं के स्थिति के आधार पर करता हूं।"

बी आर अंबेडकर ने यह कथन निश्चित ही महिलाओं को विकास-प्रगति के संदर्भ में जोड़ता है। इसी आधार पर भी सभी सरकारें महिलाओं के संरक्षण व संवर्धन हेतु प्रयत्नशील रहती हैं एवं कई प्रयास करती हैं। इसमें उनके स्वास्थ्य संरक्षण हेतु- जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रोजेक्ट किलकारी, समन्वित बाल विकास योजना, सुमन कार्यक्रम

1x50=50

प्रश्न: 1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 50

(.....) Continued (जारी)

आदि कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। वहीं आर्थिक सशक्तीकरण हेतु - स्टैण्ड अप योजना, मुद्रा योजना, एमएसएमई मंत्रालयाधीन कार्यक्रम, आदि क्रियान्वित किए जा रहे हैं।

परंतु वहीं आज तक राजनीतिक सशक्तीकरण हेतु संसद में 50% महिला आरक्षण का बिल पारित नहीं हो पाया है। देश की संसद जो लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करती है महिला आरक्षण पर क्यों मौन हो जाती है।

निश्चित सरकारी तमाम प्रयास महिलाओं के जीवन संवर्धन हेतु प्रशंसनीय हैं परंतु मात्र प्रारूप बना लेने से सफलता अर्जित नहीं हो जाती जब तक उसे लक्षित तौर पर क्रियान्वित न किया जाए।

अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के औचित्य एक ओर महिलाओं के प्रति समाज के चिंतनीय दृष्टिकोण को प्रदर्शित करते हैं परंतु इसे मात्र एक दिवसीय कार्यक्रम बना लेने से ही लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता है। महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचार, लैंगिक अपराध, कार्यस्थल पर असमानता, एवं किशोरी महिलाओं के प्रति असुरक्षा, विकलांग महिलाओं के प्रति भेदभाव एवं

प्रश्न: 1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50 पू./M=50

(.....) Continued (जारी)

सामाजिक पारिवारिक उदासीनता सरकार की देन नहीं है अपितु यह समाज, परिवार की सोच एवं दृष्टि है जो महिलाओं को पीछे ढकेल रही है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 महिलाओं को खाद्यान्न सुनिश्चितता तो प्रदान कर सकता है परंतु सामाजिक सुनिश्चितता तो समाज से आनी चाहिए। इस हेतु सामुदायिक स्तर पर एवं सरकार के सहयोग से प्रयास किया जाना चाहिए।

लैंगिक अपराध के दोषियों के प्रति शीघ्र न्याय प्रणाली एवं प्रक्रिया, महिलाओं में स्वास्थ्य एवं आर्थिक क्षेत्र के प्रति जागरूकता का प्रसार, महिला शिक्षा के प्रति विशेष ध्यान, बालिका स्कूल छोड़ने की दर को कम करना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, बाल विवाह कन्या भ्रूण हत्या के प्रति अधिक सक्रिय प्रक्रिया एवं दण्ड का प्रावधान सुनिश्चित हो, कार्यस्थलों पर महिला समानता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, समान कार्य हेतु समान वेतन की सुनिश्चितता, दहेज प्रथा जैसे अपराधों की

प्रश्न: 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

(.....) Continued (जारी)

सूक्ष्म जाँच एवं दोषियों के प्रति कठोर प्रावधान।

हाल ही में गुजरात में एक महिला ने अपने वैवाहिक जीवन में पति की असंवेदनशीलता के कारण आत्महत्या कर ली। ऐसी घटनाएं महिला के मानसिक अत्याचार को भी परिभाषित करती है। जिसे कम करने का प्रयास समाज, सरकार को मिलकर करना है।

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, मध्यप्रदेश सरकार की लाड़ली लाड़ली योजना, केंद्रीय योजना सुकन्या समृद्धि आदि इस दिशा में सराहनीय कदम है जो महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित करने के साथ उनके सशक्तीकरण का भी आधार निर्मित करते है।

अंत में -

महिलाओं को उनकी क्षमता से अवगत कराना, पितृसत्तात्मक मानसिकता का अंतरीकरण है।

महिला सशक्त तभी समाज व राष्ट्र सशक्त होगा। एवं एक ऐसा दिन आएगा जब इन दिवसों के आधार पर नही अपितु स्वयं महिलाओं के द्वारा ही दिन जाने जाएंगे।

प्रश्न: 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

F.M. 25

(a) महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता के सीप में पलता है।

(b) बढ़ते शहरीकरण से उत्पन्न समस्याएँ

(c) सूचना अधिकार अधिनियम

(d) भ्रष्टाचार : समस्या और समाधान

उत्तर: (...) "आत्मनिर्भर भारत"

आत्मनिर्भरता एक ऐसी अवधारणा है जो किसी भी व्यक्ति को सशक्त, आत्मविश्वासी एवं सफल बनाती है।

वस्तुतः भारत में 1991 के आर्थिक सुधार इसी कारणवश अपनाए गए थे क्योंकि भारत आत्मनिर्भरता की स्थिति को हासिल नहीं कर सका था। वहीं हाल ही में कोविड-19 जैसी महामारी के प्रकोप ने सभी अर्थव्यवस्था को असंतुलित कर दिया है।

इसी संदर्भ में 21 वी सदी के भारत के सपने को साकार करने हेतु भारत को आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है ताकि कोविड-19 महामारी के पूर्व व पश्चात किसी भी स्थिति से निपटा जा सके।

यहां आत्मनिर्भरता आत्मकेंद्रित नहीं है अपितु वैश्वीकरण के साथ संलग्न है।

प्रश्न: 2.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continued (जारी)

1x25=25

पू.M - 25

भारत जैसा देश वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा में विश्वास करता है अतः वैश्वीकरण के बहिष्कार से नही अपितु दुनिया के विकास में मदद करते हुए आत्मनिर्भरता हासिल करनी है।

भारत सरकार द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत अभियान के दो चरण है जिसमे प्रथम चरण चिकित्सा, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक, प्लास्टिक, खिलौने जैसी स्थानीय वस्तुओं के विनिर्माण एवं निर्यात को प्रोत्साहित करता है तो वही द्वितीय चरण फार्मासुटिकल, स्टील, रत्न, आभूषण को प्रोत्साहित करता है।

इसी संदर्भ में आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना 5 स्तंभों पर टिकी है जिसमें अर्थव्यवस्था - जिसमें वृद्धिशील छलांग लगाना, मांग - मांग आपूर्ति श्रृंखला की क्षमता का उपयोग करना, अवसंरचना - आधुनिक भारत की पहचान बनाना, प्रौद्योगिकी - 21वी सदी का अहम कारक एवं गतिशील जनसांख्यिकी ऊर्जा का अहम स्त्रोत है।

इसी संकल्पना को फलीभूत करने हेतु सरकारी आर्थिक प्रोत्साहन दिया गया है जिसके अन्तर्गत - विशेष आर्थिक प्रोत्साहन

प्रश्न: 2.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

(.....) Continued (जारी) पू./M = 25

एवं कोविड-19 महामारी के संदर्भ में प्रावधान शामिल है। इसकी योजना आरबीआई के सहयोग से की गई है। इसमें लगभग 20 लाख करोड़ का प्रावधान है जो भारत की जीडीपी का लगभग 10% है। इसी पैकेज में भूमि, श्रम, तरलता व कानून पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

निष्कर्षतः भारत की आत्मनिर्भरता ही भारत का सशक्तीकरण साबित हो सकेगा। एवं भारत किसी भी परिस्थिति में मजबूत एवं समृद्ध होगा।

प्रश्न: 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू/M = 25

(a) मशीनीकरण के लाभ एवं हानि

(b) भाषा का अवमूल्यन

(c) कौशल भारत-विकसित भारत

(d) सामाजिक संस्कृति और राजनीतिक संस्कृति

प्राप्तांक

उत्तर: (....) " मानवता के बिना विज्ञान अधूरा है। "

महात्मा गांधी ने ही अपने सात पापों की अवधारणा में मानवता के बिना विज्ञान को पाप माना है

विज्ञान ऐसा स्रोत है जहां मानव की सुविधाओं में वृद्धि करने की असीम संभावनाएं निहित हैं। इसने मानव की जीवनशैली को प्रगतिः परिवर्तित एवं सम्पन्न किया है। उसकी आकांक्षा, तृष्णा को पूरा किया है एवं कर रहा है।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, स्वास्थ्य, शिक्षा में विज्ञान की अहमियत इन क्षेत्रों के विकास से ही सुनिश्चित होती है। आग के आविष्कार से लेकर अंतरिक्ष तक की उड़ान विज्ञान की ही देन है।

इस विज्ञान के संदर्भ में ही जब हम मानवीय मूल्यों, मानवता को भी शामिल करते हैं तो विज्ञान का लक्ष्य सफल हो जाता है अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रयुक्त तकनीकों का इस्तेमाल

प्रश्न: 3.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

(.....) Continued (जारी) पू./M – 25

उद्योग, स्वास्थ्य, आदि क्षेत्रों में किया जा रहा है स्वास्थ्य में प्रयुक्त तकनीके मानव के उत्तम स्वास्थ्य की दृष्टि से ही युक्त होती है वही क्लोन, डिजाइनर बेबी जैसी अवधारणा के प्रति मानवीय प्रयोग पर रोक इसी मानवता के आधार पर ही है। सेरोगेसी जैसी अवधारणा विज्ञान की ही अहम देन है परंतु इसके अमानवीय प्रयोग पर रोक है।

कंप्यूटर, शिक्षा के क्षेत्र में भी अधिकतम लाभ के उद्देश्य से विज्ञान ने कई अहम देन दी है। परंतु वही प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध जैसे उदाहरण भी विश्व के समक्ष मौजूद है जिन्होंने विज्ञान के नाम पर महत्वकांक्षा को पूरा किया है।

इसी दिशा में नार्थ कोरिया की परमाणु बम निर्माण नीति, हाइड्रोजन बम निर्माण करना, परमाणु शस्त्र निर्माण की होड़, जैव आतंकवाद, साइबर अपराध जिसमे- हैकिंग, वायरस आक्रमण - मालवेयर, रैनसमवेयर, डाटा चोरी करना आदि, विज्ञान का दुरुपयोग करना है। जो वर्तमान में जारी है। पर्यावरण क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग जैसे परिणाम इन्ही सोच का

का परिमाण है एवं अंत में मानव हेतु ही नुकसानदेह साबित होते हैं।

विज्ञान मानव के हित हेतु न कि उसके विरोध में। इसमें मानवीयता के गुण की नितांत आवश्यकता है इसके अभाव में संपूर्ण सृष्टि पर खतरा मंडराएगा। जिसे रोकने में स्वयं मानव भी सक्षम नहीं होगा।

" मानवीयता का साथ न छोड़कर किया गया कोई भी वैज्ञानिक प्रयोग सदैव ही मानव कल्याण को लक्षित होगा। "